YOUNG INDIA > YOUNG PAPER

NBT

नवभारत टाइम्स

नई दिल्ली > मंगलवार, 16 फरवरी 2016 > माघ 27 शक 1937 > माघ शुक्ल 9 विक्रम 2072

पेज 18 > मूल्य 4.50 रु. या 8.50

दिल्ली सरकार ने जारी किया एडमिशन डेटा

Bhupender.Sharma
@timesgroup.com

■ नई दिल्ली : दिल्ली सरकार ने प्राइवेट स्कूलों में ईडब्ल्यूएस कैटिगरी के एडमिशन का डेटा जारी किया है। दिल्ली सचिवालय में नर्सरी, केजी और फर्स्ट क्लास के एडमिशन के लिए कंप्यूटराइज्ड ड्रॉ हुआ था और फर्स्ट राउंड में 1338 स्कूलों के नाम थे। दिलचस्प बात यह रही कि इनमें से तीन स्कूल ऐसे रहे, जिनमें एक भी सीट अलॉट नहीं हुई है। इसके अलावा नर्सरी के लिए सबसे ज्यादा ऐप्लीकेशन आई है। उसके बाद केजी और फिर फर्स्ट क्लास की ऐप्लीकेशन है। एंट्री लेवल पर तीनों क्लासेज के लिए ऐप्लीकेशन का नंबर 73,059 है, जिनमें से नर्सरी के लिए 36377, केजी के लिए 20892 और फर्स्ट क्लास के लिए 15790 रजिस्ट्रेशन है। देखा जाए तो दिल्ली में नर्सरी में एडमिशन के लिए सबसे ज्यादा मारामारी होती है।

ईडब्ल्यूएस कैटिगरी के लिए ड्रॉ में 26604 सीट अलॉट हुई है। शिक्षा निदेशक पद्मिनी सिंघला के मुताबिक जिन कैंडिडेट्स को सीट अलॉट हो गई है, उनके पैरंट्स को 22 फरवरी तक स्कूलों में जाकर एडमिशन के लिए जाना होगा।

अगर सीट अलॉट होने के बाद भी एडमिशन नहीं लिया जाता तो फिर दोबारा एडमिशन का चांस नहीं मिलेगा। अगला ड्रॉ 22 फरवरी के बाद होगा और उसमें उन कैंडिडेट्स का नाम होगा, जिन्हें फर्स्ट राउंड में एडमिशन का चांस नहीं मिला है। 22 के बाद सभी स्कूल बताएंगे कि उनके यहां कितने एडमिशन हुए हैं। वहीं स्कूलों ने ईडब्ल्यूएस कैटिगरी के एडमिशन के नए सिस्टम को बेहतर बताया है। एमएम पब्लिक स्कूल पीतमपुरा की प्रिंसिपल रोमा पाठक का कहना है कि सेंट्रलाइज्ड ड्रॉ होने का फायदा यह होगा कि अब ईडब्ल्यूएस कैटिगरी के एडमिशन जल्द हो सकेंगे। कई स्कूलों के प्रिंसिपल भी सचिवालय में मौजूद थे। वीएसपीके इंटरनैशनल स्कूल रोहिणी की प्रिंसिपल डॉ. डॉली जेटली ने बताया कि कंप्यूटराइज्ड ड्रॉ से स्कूलों और पैरंट्स दोनों का समय बचेगा। नर्सरी के लिए 647 स्कूलों का नाम ड्रॉ में शामिल किया गया था और इन स्कूलों में 15759 सीटें हैं। 646 स्कूलों में 15138 सीट अलॉट हुई हैं और 621 सीटें बची हैं। बची हुई सीटों को अगले राउंड में शामिल किया जाएगा।

केजी क्लास के लिए 188 स्कूलों का नाम ड्रॉ में शामिल था और 3499 सीटें थीं। ड्रॉ के बाद 188 स्कूलों में 3432 सीट अलॉट की गई हैं और 67 सीटें बची हैं। फर्स्ट क्लास के लिए 503 स्कूलों का नाम लिस्ट में था और 8935 सीटें थीं। इनमें से 501 स्कूलों का नाम ड्रॉ में आया और 8034 सीट अलॉट हुईं। फर्स्ट क्लास की 901 सीटें बची हैं।

Photos : Virat Singh Saini

नर्सरी की मारामारी

- लिस्ट में आने के बाद एडमिशन नहीं लिया तो फिर नहीं मिलेगा चांस
- ड्रॉ में 1338 स्कूलों के थे नाम, तीन स्कूलों में एक भी सीट नहीं हुई अलॉट
- स्कूलों ने ईडब्ल्यूएस कैटिगरी के एडमिशन के नए सिस्टम को बेहतर बताया